बर्ष:- 06
अंक:- 61
मुरादाबाद
(Sunday)
21 June 2026
पृष्ठ:-8
मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रात: कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

ओडिशा को 47,600 करोड़ की सौगात

PM मोदी बोले- कांग्रेस राज में पिछड़ा रहा पूर्वी भारत; अब बना विकास का गेटवे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा के रायरंगपुर में 47,600 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का तोहफा दिया। उन्होंने %पूर्वोदय% नीति के तहत पूर्वी भारत को विकास का नया केंद्र बताया और कांग्रेस के शासनकाल को पिछड़ेपन के लिए जिम्मेदार ठहराया। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जन्मदिन पर उनके पैतृक गांव पहाड़पुर का दौरा किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में पूर्वी भारत हमेशा पिछड़ा रहा। लेकिन आज यही क्षेत्र देश के विकास का मुख्य द्वार बन रहा है। पीएम मोदी ओडिशा के मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

इस मौके पर उन्होंने ओडिशा के लिए 47,600 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि ओडिशा अब विकास की राह पर तेजी से दौड़ रहा है। कल्याणकारी योजनाएं गरीबों का जीवन बदल रही हैं।विकास का नया गेटवे बना पूर्वी भारत- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार पूर्वोदय नीति पर काम कर रही है। हमारा लक्ष्य पूर्वी भारत के विकास से पूरे देश का विकास करना है। जो पूर्वी भारत कांग्रेस के दौर में पिछड़ेपन की पहचान बन चुका था, वह अब प्रगति का प्रवेश द्वार बन रहा है। भाजपा सरकार ओडिशा के संसाधनों को नई संभावनाओं में बदल रही है। राज्य को अब तक करीब 20 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं।

ओडिशा में भाजपा सरकार को दो साल पूरे हो चुके हैं। इस अवसर पर पीएम ने राज्य की जनता को बधाई दी।डबल इंजन सरकार की डबल विशेषता- प्रधानमंत्री पीएम मोदी ने कहा कि ओडिशा इस समय उत्सव के माहौल में डूबा हुआ है। पिछले हफ्ते यहां गण पर्व (राजा पर्व) मनाया गया। अब महाप्रभु जगन्नाथ जी की रथ यात्रा और बारीपदा रथ यात्रा की तैयारियां पूरे उत्साह के साथ चल रही हैं। लोकतंत्र और विकास का यह उत्सव अद्भुत है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि डबल इंजन सरकार की डबल विशेषता ये है कि वो खुद जनता तक पहुंचती है। हमारा प्रयास है कि सामान्य नागरिक को किसी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के गांव पहुंचे प्रधानमंत्री- पीएम मोदी के लिए यह दिन बेहद खास रहा। शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जन्मदिन भी था। पीएम मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि ओडिशा की बेटी आज देश के सर्वोच्च पद पर है। वह हम सभी का मार्गदर्शन कर रही हैं। यह पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने मयूरभंज और ओडिशा की पहचान को पूरे विश्व में मजबूत किया है। पीएम मोदी राष्ट्रपति के ससुराल पहाड़पुर गांव भी गए। वहां उन्होंने स्थानीय बच्चों के स्कूल का दौरा किया। पीएम ने बच्चों के साथ कुछ यादगार पल बिताए। उन्होंने इसे अपने लिए एक शैक्षणिक और कुछ नया सीखने वाला अनुभव बताया। पीएम-जनमन अभियान राष्ट्रपति के मार्गदर्शन का ही परिणाम- पीएम मोदी- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, %पीएम-जनमन अभियान राष्ट्रपति के साथ हुई चर्चाओं और उनके मार्गदर्शन का ही परिणाम है। ये ऐसे जन जातीय समूहों के लिए है जो जन जातीय समुदायों में भी सबसे पीछे रह गए हैं। सरकार अब स्वयं चलकर ऐसे जन जातीय समुदायों के घर तक पहुंच रही है। आदिवासी युवाओं को हम शिक्षा और रोजगार के अवसरों से जोड़ रहे हैं। देश में करीब 500 एकलव्य मॉडल स्कूल खोले गए हैं।% 47,600 करोड़ रुपये की बड़ी सौगात- ओडिशा के विकास सफर को रफ्तार देने के लिए पीएम मोदी ने बड़ी घोषणाएं कीं। बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए करीब 47,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की नींव रखी गई। सरकार का पूरा ध्यान इंफ्रास्ट्रक्चर और गरीब कल्याण पर है। इन परियोजनाओं से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। ओडिशा की तस्वीर तेजी से बदल रही है।

संक्षिप्त समाचार

राजभर बोले- अखिलेश बाबू, अपने सांसदों को कर्नाटक के जिस रिसॉर्ट में ले जाना चाहते हैं, वो हो नहीं पाएगा

एक प्रमुख राजनीतिक नेता ने समाजवादी पार्टी के भीतर असंतोष और संभावित टूट का दावा करते हुए पार्टी नेतृत्व पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सांसदों में नाराजगी बढ़ रही है और उन्हें एकजुट रखने की कोशिशें सफल नहीं होंगी।ओपी राजभर ने अपने एक्स अकाउंट से अखिलेश यादव पर हमला बोला। उन्होंने लिखा- अखिलेश बाबू छुप-छुप के मुंबई क्यों जा रहे हो? अरे वहां तो केवल दो ही विधायक हैं, वो टूट जाएंगे तो भी कोई दिक्कत नहीं है। यहां वाले जो भागने की तैयारी में हैं, उन्हें कौन देखेगा?मानसून सत्र शुरू होने से पहले अपने सांसदों को कर्नाटक के जिस रिसॉर्ट में ले जाना चाहते हैं, वो हो नहीं पाएगा। क्योंकि मैंने जो कहा है न कि सपा में गड़बड़ चल रहा है, ये स्क्रीन शॉट उसका एक नमूनाभर है। बात इससे आगे जा चुकी है।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर का तीखा हमला बृहस्पतिवार को भी जारी रहा। उन्होंने अपने अधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स के जरिए सपा अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए सपा सांसदों के टूटने को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बिना किसी नाम लिए लिखा है कि सपा सांसदों के टूटने वाले गुट का नेतृत्व बागी बलिया की धरती से ताल्लुक रखने वाले एक सांसद करेंगे। राजभर ने इशारा किया है कि सपा कार्यालय में आयोजित सम्मेलन में ब्राम्हणों का जिस तरह से तिरस्कार किया गया है, उससे बागी बलिया का लाल बहुत आहत है।

आखिर ऐसा हुआ भी कैसे?: NEET एग्जाम के लिए छात्र को मिला था अबू धाबी सेंटर, NTA पर जमकर बरसे राहुल, उठाए सवाल

नीट री-एग्जाम से पहले नागपुर के एक छात्र को गलती से अबू धाबी परीक्षा केंद्र आवंटित होने का मामला राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया है। राहुल गांधी ने इस मुद्दे को उठाते हुए एनटीए की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। वहीं, एनटीए ने छात्र को नया केंद्र आवंटित करने की बात कही है।21 जून को होने जा रही नीट यूजी की पुनर्परीक्षा (Re-NEET) से पहले उस वक्त हड़कंप मच गया, जब नागपुर के एक छात्र को भारत की जगह सीधे विदेश यानी अबू धाबी में परीक्षा केंद्र अलॉट कर दिया गया। इस गंभीर लापरवाही पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बेहद तीखी प्रतिक्रिया दी और एनटीए के सिस्टम पर सवाल खड़े किए।हालांकि, सोशल मीडिया पर मुद्दा उठने के बाद मामला संज्ञान में आते ही एनटीए ने तत्काल एक्शन लिया। ताजा जानकारी के मुताबिक एनटीए अगले कुछ घंटों में वेरिफिकेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद छात्र को नागपुर में केंद्र आवंटित करेगा। लेकिन इस लापरवाही पर राहुल गांधी ने एनटीए को खरी-खरी सुनाई।इस पूरे मामले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर एनटीए और सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने छात्र की मानसिक स्थिति का जिक्र करते हुए लिखा- नागपुर का एक बच्चा एक महीने से नीट री-एग्जाम की तैयारी कर रहा था। कल परीक्षा से ठीक एक दिन पहले उसने एडमिट कार्ड डाउनलोड किया। उसका सेंटर निकला - अबू धाबी। न पासपोर्ट, न परिवार के पास विदेश भेजने के पैसे, न अब कोई वक़्त बचा है। वो रातभर रोता रहा, और परीक्षा देने से ही मना कर रहा है - क्या इस तनाव की कल्पना भी की जा सकती है? राहुल गांधी ने एनटीए से सीधा सवाल पूछा कि आखिर ऐसा हुआ भी कैसे? कल किसी भी छात्र को सेंटर तक न पहुंच पाने की शिकायत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जो सिस्टम एक बच्चे को अपने ही शहर में सेंटर नहीं दे सकता, उसे परीक्षा करवाने का कोई हक नहीं है। यह शिक्षा व्यवस्था नहीं, बल्कि एक पूरी पीढ़ी के पैसे, समय और मानसिक शांति की वसूली है। मामला संज्ञान में आने पर एनटीए ने तुरंत मामले पर आधिकारिक सफाई दी। एनटीए ने आधिकारिक तौर पर जवाब देते हुए कहा, उम्मीदवार की शिकायत का समाधान किया जा रहा है और उचित सत्यापन के बाद अगले कुछ ही घंटों के भीतर उसे नागपुर में ही नया परीक्षा केंद्र आवंटित कर दिया जाएगा। यह पूरा मामला नागपुर के रहने वाले छात्र अब्दुल्ला मोहम्मद तालिब से जुड़ा है। अब्दुल्ला ने नीट री-एग्जाम के आवेदन में अपनी पसंद के शहरों के तौर पर नागपुर, वर्धा और भंडारा को चुना था। लेकिन जब उसने एनटीए की वेबसाइट से अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड किया, तो उस पर परीक्षा केंद्र के रूप में अबू धाबी (UAE) का एक इंडियन स्कूल लिखा हुआ था। छात्र के पिता डॉ. मोहम्मद तालिब ने बताया कि उनका बेटा एडमिट कार्ड देखकर रोने लगा था और सदमे में था, क्योंकि उसके पास विदेश जाने के लिए पासपोर्ट तक नहीं था। ऐसे में बिना पासपोर्ट के परीक्षा देने अबू धाबी जाना पूरी तरह नामुमकिन था। स्क्रीनशॉट वायरल होने के बाद यह मामला तुरंत सुर्खियों में आ गया।एनटीए की छात्रों को हिदायत- इस घटनाक्रम के बाद एनटीए ने सभी री-नीट उम्मीदवारों को सलाह दी है कि वे अपने एडमिट कार्ड की अच्छी तरह जांच कर लें।

यदि परीक्षा केंद्र, व्यक्तिगत जानकारी या फोटो में कोई भी गड़बड़ी या विसंगति नजर आती है, तो बिना देरी किए तुरंत एनटीए हेल्पलाइन पर इसकी रिपोर्ट करें ताकि समय रहते उसमें सुधार किया जा सके। री-नीट 2026 की परीक्षा 21 जून को दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक निर्धारित समय पर आयोजित की जाएगी।

यूपी के पहले फार्मा पार्क से बढ़ेंगे रोजगार, सीएम योगी बोले-2017 से पहले ये जिला विकास से दूर था

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ललितपुर में कहा कि प्रदेश की 25 करोड़ जनता हमारे लिए परिवार के समान है।

हम डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के हब के रूप में बुंदेलखंड को भी विकसित करेंगे। उत्तर प्रदेश का पहला फार्मा पार्क ललितपुर जनपद में बनने जा रहा है। हजारों नौजवानों को नौकरी मिलेगी।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ललितपुर में 1766 करोड़ की लागत से बने राजकीय मेडिकल कॉलेज सहित 221 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2017 से पहले यह जिला विकास से दूर था, लेकिन अब यूपी का पहला फार्मा पार्क यहीं बनकर नवाचार की नई पहचान बना रहा है।नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज बुंदेलखंड के निवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में मील का पत्थर साबित होगा। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश का पहला फार्मा पार्क ललितपुर में विकसित किया जा रहा है, जिससे रोजगार के बड़े अवसर पैदा होंगे। इसके साथ ही उन्होंने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए

कहा कि पहले बुंदेलखंड विकास से वंचित था और पिछली सरकारों की उपेक्षा का दंश झेलता था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ललितपुर के दौरान कहा कि विकास की प्रक्रिया अनवरत चलेगी, गरीबों के कल्याण के लिए सरकार की योजनाएं मजबूती के साथ आगे बढ़ेंगी। सीएम योगी ने कहा कि पूर्वजों ने कहा था किक %ललितपुर न छोड़ियो, जब तक मिले उधार% अब आपको उधार लेने की आवश्यकता नहीं, अब सरकार आपको ब्याज मुक्त पैसा दे रही है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश की 25 करोड़ जनता हमारे लिए परिवार के समान है। वर्षों से लंबित सिंचाई की परियोजनाओं को तेजी के साथ आगे बढ़ाने का काम किया गया है। हम डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के हब के रूप में बुंदेलखंड को भी डेवलप करेंगे। उत्तर प्रदेश का पहला Pharma Park ललितपुर जनपद में बनने जा रहा है। हजारों नौजवानों को नौकरी मिलेगी।

आम आदमी जरूरत के सामान खरीदने में असमर्थ;कांग्रेस ने बढ़ती मंहगाई के लिए केंद्र को बताया दोषी

कांग्रेस ने बढ़ती महंगाई पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि आर्थिक कुप्रबंधन के कारण परिवार परेशान हैं। इसके साथ ही महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। कांग्रेस ने शनिवार को बढ़ती मंहगाई के कारण तेजी से घटती बचत को लेकर सरकार पर हमला बोला। कांग्रेस ने कहा कि भाजपा अन्य पार्टियों से खरीदारी करने में व्यस्त है। वहीं, आम आदमी जरूरत के सामान खरीदने में असमर्थ है।युवाओं में भारी आक्रोश'- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के 'अर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन के कारण परिवार तबाह हो रहे हैं। एक्स पोस्ट में खरगे ने कहा, 'बढ़ती मंहगाई के कारण बचत तेजी से घट रही है। सामर्थ्य की कमी, आकांक्षाओं का टूटना, असमानता, वैश्विक विश्वसनीयता में गिरावट, युवाओं में भारी आक्रोश।' खुदरा मंहगाई - 16 महीनों में सबसे अधिक- कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मोदी सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन के बोझ तले परिवार तबाह हो रहे हैं!% उन्होंने आगे कहा %खुदरा मंहगाई - 16 महीनों में सबसे अधिक। खाद्य मुद्रास्फीति - 4.78%, थालियों से टमाटर गायब हो रहे हैं। चिकित्सा मुद्रास्फीति 15% से ऊपर। रुपया गड्ढों में गिर रहा है। विदेशी निवेशक हमसे मुंह मोड़ रहे हैं। युवाओं के लिए रोजगार नहीं, बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा, भाजपा अन्य पार्टियों से सामान खरीदने में व्यस्त है, लेकिन आम आदमी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ है।

संपादकीय Editorial

Offering theft in Ram temple

There are also thieves and dacoits in the grand Ram temple of Ayodhya. Hearing this and continuously scanning the news, the truth is coming to light that the donations or offerings made in the temple as a mark of immense faith in Lord Ram are being stolen by thieves. Corruption and scam are also flourishing in Ram temple. This is not just a criminal incident, but a cultural-spiritual embarrassment. According to what has come to light so far, these thieves and dacoits are part of the internal system of Ram temple. An allegation of theft of offering worth Rs 200 crore has been made. This could be a political allegation, as there has been no official confirmation. The special investigation team has to submit its interim report and the final report should also come by the end of this month, but the shocking and astonishing thing is that neither the Ram Mandir Trust lodged any FIR in the police station nor the questionable and accused General Secretary of the Trust, Champat Rai, resigned. Champat Rai is fundamentally and morally responsible for all situations. He was not appointed just to remain a VIP in the temple. Ram Mandir also has Nripendra Mishra as the chairman of the construction committee, who used to be the principal secretary of Prime Minister Modi. He has talked about the guidelines and blessings of the Chief Minister. Does the investigation team need these? Cash worth lakhs of rupees has been recovered from the houses of some accused. Cash was also hidden under a pile of cow dung, but the donation and theft is said to be in crores! Lord Ram is our idol, he is settled in our hearts, after centuries the dream of building a grand Ram temple in Ayodhya has come true, then how and when were such thieves and dacoits born in the presence of the Lord? This is also a serious question on security arrangements. Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath constituted a special investigation team of three senior officers, but why was an FIR not registered for such a widespread crime? If there is no FIR, then which crime, theft or allegations is the investigation team investigating? This theft is also 'economic insider', because the accused are said to be those who were involved in the daily process of counting and audit of donated notes. The notes have been counted by State Bank of India employees and Temple Trust employees under CCTV surveillance. Has an 'organized gang' taken shape within the temple itself? No single person can commit such a big theft. Of course, this theft and robbery is a 'great sin' and the thieves will suffer unbearable physical and spiritual sufferings. Insects will get into them! However, in 2024-25, a total donation or offering of Rs 327 crore came to the Ram temple. Out of that, about Rs 153 crore were donated by the believers in the donation boxes themselves. An average donation of Rs 12.75 crore came per month. That means around Rs 42 lakh per day…! This is not a normal amount. Since the statue of Lord Ram was consecrated in January 2024. It was a very grand programme. Many eyes were crying. The Prime Minister of the country and innumerable sages and saints were present on this auspicious occasion. No one had even imagined such theft and robbery. If we assume theft and robbery worth Rs 200 crore in these two and a half years alone, then approximately Rs 27 lakh was stolen every day. The Ram temple has such a security system, 24-hour CCTV surveillance, multiple layers of counting of cash, taking it to the bank and other evaluations, so such a theft does not seem possible, but old kar sevak Santosh Dubey and a local Congress leader have lodged complaints at the Ram Janmabhoomi police station. The police did not register an FIR. Former Chief Minister of Uttar Pradesh and SP chief Akhilesh Yadav has made allegations of theft of offerings.

Arrival of AI era in judiciary, will AI become the new judge?

In a bid to modernize the judiciary and reduce the heavy burden of pending cases, the Supreme Court on June 3 released 'Draft Rules for the Use of AI in Courts, 2026'. In this, a systematic system has been introduced to properly integrate Artificial Intelligence (AI) with traditional judicial functions. Recently the Honorable Supreme Court has taken a historic step in the judicial history of India. In a bid to modernize the judiciary and reduce the heavy burden of pending cases, the Supreme Court on June 3 released 'Draft Rules for the Use of AI in Courts, 2026'. In this, a systematic system has been introduced to properly integrate Artificial Intelligence (AI) with traditional judicial functions. These draft rules are currently open till June 20 to seek the opinion of the public and concerned people like lawyers and judges. Promoting the use of Artificial Intelligence – The basic premise of these rules is to promote the use of Artificial Intelligence while maintaining the superiority of human conscience. In these rules, AI is defined only as an assistive tool which cannot replace human judicial intelligence. If AI commits a mistake, judicial officers cannot avoid their accountability by holding AI responsible for their mistakes. AI will be used in language translation - To increase efficiency, these rules allow the use of AI for administrative tasks such as legal research of cases, checking of citations and real-time speech-to-text transcription. And these rules also allow the use of AI to instantly translate complex English judgments into regional languages, which will help people speaking regional languagesget justice. Moreover, the Supreme Court has also set strict Lakshman Rekha on the use of AI under these rules. The court has clearly prohibited the use of AI in taking final decisions, examining witnesses or deciding bail and sentence. This is an important step because such actions are best done in accordance with the law as well as human values ??and experiences. Lawyers will have to disclose details of use of AI – In countries like the US, automated risk-scoring algorithms have also led to discrimination, often leading to unfair profiling of minority people. These rules direct judicial officers to exercise judicial discretion while preventing potential discrimination through the use of algorithms. Also, under these rules, lawyers will have to clearly disclose whether they are using AI to prepare their arguments or submissions, which is a major step towards maintaining transparency. Under Article 145 - However, these rules, designed keeping in mind the future of the Indian judiciary, have also given rise to an important constitutional debate, especially on the issue of 'separation of powers'. Under Article 145 of the Indian Constitution, the Supreme Court has the power to regulate its internal processes, but these draft rules create a national system, which includes an apex body to oversee the functioning of AI, a High Court Secretariat to oversee the functioning at the state level, and a 'Centre of Research and Excellence'. Additionally, they also impose mand atory compliance on state courts and independent lawyers. Many critics argue that such regulatory interference appears to be a legal or legislative function rather than a judicial function, a function of Parliament rather than a court, and that the Supreme Court's making such rules blurs the 'separation of powers' that is an important part of the Constitution of India. In short, it would not be unfair to say that technology can perform tasks like data processing very fast, but still, it cannot completely mimic human empathy, objectivity or context-based judgment. These Supreme Court rules ensure that courts continue to modernize with technology and that AI retains the human sense of justice as a skilled scribe rather than a judge.

Ritobrata Banerjee will remain the Leader of Opposition for the time being, but 10 comments of the High Court increased political heartbeats

This is believed to be the first case in the history of West Bengal Assembly and Calcutta High Court regarding the appointment of Leader of Opposition. At present, Calcutta High Court has not given any interim order in the ongoing case regarding the post of Leader of Opposition in West Bengal Assembly. As a result, Ritabrata Banerjee will continue to hold the post of Leader of Opposition.

Speaker Rathindra Basu's decision will remain effective for the time being. In the single bench of the High Court, Justice Krishna Rao refused to interfere in the Speaker's decision on June 18 after the hearing on June 16 and 17.

Justice Krishna Rao said the next hearing of the case would be on July 28. He has directed all the parties to file their affidavits by that day. This is believed to be the first case in the history of West Bengal Assembly and Calcutta High Court regarding the appointment of Leader of Opposition. During the hearing that lasted for two days, Justice Krishna Rao made many important observations, which brought forward various aspects of this constitutional and parliamentary dispute. 10 important observations of Justice Krishna Rao: - The Speaker had started the investigation of TMC's original proposal only when no complaint had been received about it at that time. The Speaker seemed very eager to accept the decision of the TMC MLAs in which they had appointed their leader in the House instead of the official choice of the party. The Speaker seemed very eager to accept the fact that 58 MLAs are in majority and I appoint them, but in the case of 78 MLAs, your Speaker started the entire investigation, why so? If two different proposals are received from the same political party regarding the appointment of Leader of Opposition, then what procedure should the Speaker adopt? Can the Speaker take a decision on his own or will it be necessary to give both the parties an opportunity of hearing? A proposal to appoint Shobhandev Chattopadhyay was sent on May 9. Why was no immediate action taken on it? A complaint was made on May 27 regarding the signatures of the MLAs, whereas the proposal regarding appointment was sent much earlier. Who proposed the name of Ritobrata Banerjee for the post of Leader of Opposition? Because this proposal should come from a political party only. After the complaint of fraud, why was the Leader of Opposition elected before the FIR and then the CID investigation was completed? Can the person who was expelled by the party from the party on June 1, be elected leader on June 3? Looking at the comments, it is clear that the main concerns of the High Court were related to the fairness of the process, the limitations of the role of the Speaker and the legality of the appointment of the Leader of the Opposition. The focus was not just on the claim of majority, but on the validity, fairness and adherence to the principles of natural justice of the entire decision making process. However, if the situation changes in the next hearing on July 28, then the biggest question will be what further steps will the rebel group take? Will he also follow the path of rebel MPs? On the other hand, Mamata Banerjee's camp also does not have 10 percent of the total MLAs i.e. 30 MLAs, due to which the constitutional and political complications regarding the post of Leader of the Opposition may increase further.

Raj and Policy: BJP state executive will be announced soon

The much awaited executive committee of Madhya Pradesh BJP President Hemant Khandelwal may be announced soon. At the same time, there is talk of the transfer list of IAS officers being prepared on the initiative of the Chief Minister's Office. The appointment of chairpersons of Indore-Bhopal Development Authority is stuck due to protests. It is almost a year since Hemant Khandelwal became the President of Bharatiya Janata Party in Madhya Pradesh. Till now they have not been able to form their executive. They have announced this several times, but the list has not been revealed till date. Now it has come to light that the names of the executive from Delhi have also been finalized. Now the executive may come forward soon. It has also been learned that this time there will be between 100 to 150 officials, members and special invitees in the executive. The Chief Minister's Office, not the personnel, made the transfer list - Everyone was surprised when the big transfer list of Indian Administrative Service officers suddenly came out on Wednesday evening. Normally, when such a change takes place in the state administration, it is discussed in advance, but this time no one was aware of the news. According to sources, this time the list was not prepared by the General Administration Personnel Department but by the Chief Minister's Office. In this, special attention was paid to the intentions of the Chief Minister. A proposal was made immediately and sent from Personnel to the Chief Secretary and the list was released. This is the first time that promoted IAS officers have got more importance. Why were the names of chairpersons of Indore-Bhopal Development Authority put on hold? While in Madhya Pradesh, chairpersons and vice-chairpersons have been appointed in most of the commissions, corporations and authorities, the names of chairpersons of Indore and Bhopal Development Authority have not been finalized yet. According to sources, when the names of other authorities were being finalized, names from Indore and Bhopal were also finalized. Orders were about to be issued, but strong opposition to them started in the party. The result was that orders in his name were stopped from being issued at that time. It was believed that this matter would cool down after a few days, but the matter did not cool down and the file definitely got shelved. When the collector took over the doctor's chair - Jhabua Collector Dr. Yogesh Tukaram Bharsat took over the doctor's.

तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण में जनभागीदारी जरूरी : जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया

तंबाकू नियंत्रण अभियान के तहत मई माह में 159 व्यक्तियों तथा जून माह में अब तक 184 व्यक्तियों पर लगाया गया जुर्माना, सैकड़ों लोगों की काउंसलिंग कर उपलब्ध कराई गई नि:शुल्क दवा। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने जनपदवासियों से तंबाकू एवं धूम्रपान जैसी हानिकारक आदतों को छोड़कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील करते हुए कहा कि तंबाकू न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है, बल्कि परिवार एवं समाज पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि जनपद में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत निरंतर जागरूकता अभियान संचालित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य लोगों को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा उन्हें नशामुक्त जीवन की ओर प्रेरित करना है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार जनपद में तंबाकू नियंत्रण अभियान के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान एवं कोटपा अधिनियम के उल्लंघन के विरुद्ध नियमित कार्रवाई की जा रही है। मई माह में 159 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 14,897 रुपये का जुर्माना वसूला गया, जबकि जून माह में अब तक 184 व्यक्तियों पर करीब 15,000 रुपये का जुर्माना लगाया जा चुका है। यह कार्रवाई तंबाकू नियंत्रण कानूनों के प्रभावी अनुपालन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जिला सलाहकार तम्बाकू नियंत्रण डॉ. प्रशांत राजपूत ने बताया कि दंडात्मक कार्रवाई के साथ-साथ लोगों को तंबाकू की लत से मुक्त कराने हेतु परामर्श एवं उपचार की भी व्यवस्था की गई है। मई माह में लगभग 150 तंबाकू सेवन करने वाले व्यक्तियों की काउंसलिंग कर उन्हें तंबाकू छोड़ने हेतु आवश्यक दवाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई गईं। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा गांवों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को तंबाकू सेवन से होने वाले कैंसर, हृदय रोग, श्वसन संबंधी बीमारियों तथा अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

इसी क्रम में जनपद के ग्राम बीबीपुर में आयोजित तंबाकू छोड़ो केंद्रित समूह वार्ता कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा तंबाकू सेवन से होने वाली स्वास्थ्य, सामाजिक एवं आर्थिक हानियों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान स्मोकलाइजर मशीन के माध्यम से धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों के फेफड़ों में कार्बन मोनोऑक्साइड की मात्रा की जांच भी की गई तथा तंबाकू छोड़ने के इच्छुक लोगों को परामर्श और उपचार उपलब्ध कराया गया।

तंबाकू मुक्त मुरादाबाद के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों एवं आमजन की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। इसलिए आमजन स्वयं तंबाकू का सेवन न करें तथा अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें, ताकि एक स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त समाज का निर्माण किया जा सके।

डिलारी थाना परिसर में मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच/ डिलारी (मुरादाबाद)। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को थाना डिलारी परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, धर्मगुरुओं, ताजिएदारों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी ठाकुरद्वारा, क्षेत्राधिकारी ठाकुरद्वारा एवं थाना विजेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से की। अधिकारियों ने उपस्थित लोगों से मोहर्रम पर्व को पूर्व वर्षों की भांति पारंपरिक तरीके से मनाने की अपील की तथा किसी भी नई परंपरा की शुरुआत न करने का अनुरोध किया।

थाना प्रभारी ने उपस्थित लोगों से कहा कि मोहर्रम का त्योहार पूर्व वर्षों की भांति परंपरागत तरीके से मनाया जाए तथा कोई नई परंपरा शुरू न की जाए। उन्होंने शासन और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि ताजिए और जुलूस उन्हीं निर्धारित मार्गों से निकाले जाएं, जिनका पूर्व से प्रयोग होता रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नई परंपरा डालने अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। शासन की गाइड लाइन के अनुसार, ताजियों की अधिकतम ऊंचाई 12 फीट निर्धारित की गई है। साथ ही लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी प्रकार की संदिग्ध सूचना या विवाद की स्थिति में तत्काल पुलिस को अवगत कराने की अपील की, ताकि समय रहते समस्या का समाधान किया जा सके। क्षेत्र अधिकारी ठाकुरद्वारा ने उपस्थित लोगों को शासन के निर्देशों से अवगत कराते हुए मोहर्रम का पर्व आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। इस अवसर पर बैठक में उपजिलाधिकारी ठाकुरद्वारा, क्षेत्र अधिकारी ठाकुरद्वारा ,थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह, ग्राम प्रधान फुरकान अली , मोहम्मद उमर मुल्लाजी, ग्राम प्रधान फिरोज , ग्राम प्रधान मासूमपुर रिजवानुद्दीन , अब्दुल हफीज, फईम चौधरी , रहमत शाह , बुन्दू नेताजी सचिन राणा , डॉक्टर अनुपम सिंह , आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

गलत दिशा से आ रहे डंपर ने विवि कर्मी की स्कूटी को मारी टक्कर, टायर से सिर कुचला, चली गई जान

मुरादाबाद में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर लोदीपुर राजपूत के पास गलत दिशा से आए मिट्टी से भरे डंपर ने स्कूटी सवार युवक को कुचल दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने हाईवे पर भारी वाहनों के गलत दिशा पर चलने से नाराजगी जताई है।दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार सुबह सड़क हादसे में वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय कर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा लोदीपुर राजपूत स्थित डिजाइनको फैक्टरी के हुआ। जब युवक स्कूटी से ड्यूटी पर जा रहा था।रामपुर जिले के शाहाबाद क्षेत्र के सराय इमाम सैफानी निवासी संजय यादव (28) अपनी स्कूटी से वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वह सही दिशा में चल रहे थे तभी मिट्टी से भरा एक डंपर गलत दिशा से तेज रफ्तार में आया और उन्हें कुचल दिया।टक्कर इतनी भीषण थी कि संजय यादव की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची भीड़ को हटाकर यातायात सुचारु कराया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी वाहनों का लंबे समय से गलत दिशा में संचालन हो रहा है। उनका कहना है कि पुलिस और संबंधित विभागों की लापरवाही के चलते हाईवे पर यातायात नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। संजय यादव अपने परिवार में माता-पिता और तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे। बड़े भाई विग्नेश यादव गांव में डेयरी संचालित करते हैं, जबकि छोटे भाई पंकज यादव खेती-किसानी करते हैं। संजय अपने पीछे पत्नी बबिता, चार वर्षीय मासूम बेटे, माता-पिता और परिजनों को छोड़ गए हैं। बेटे के सिर से पिता का साया उठने और जवान बेटे की मौत से मां कुसमा देवी का रो-रोकर बुरा हाल है।

सपा में होगी बड़ी टूट, राजभर के दावे पर MP रुचि वीरा का पलटवार, कहा- हमारे संपर्क में भाजपा के कई सांसद

सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर के सपा में टूट वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मुरादाबाद से सपा सांसद रुचिवीरा ने कहा कि ओम प्रकाश राजभर को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पूरी तरह एकजुट है। रुचिवीरा ने पलटवार करते हुए दावा किया कि स्वयं ओम प्रकाश राजभर और भाजपा के कई सांसद समाजवादी पार्टी के संपर्क में हैं। मुरादाबाद में आयोजित पीडीए सम्मेलन को लेकर समाजवादी पार्टी में गुटबाजी की चर्चाओं के बीच सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर तथा मुरादाबाद से सपा सांसद रुचि वीरा के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। राजभर ने सपा में बड़ी टूट का दावा करते हुए पार्टी नेतृत्व पर पिछड़े और दलित समाज के सम्मान की अनदेखी का आरोप लगाया।रुचिवीरा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी पूरी तरह एकजुट है और भाजपा के कई सांसद सपा के संपर्क में हैं।दरअसल, 14 जून को मुरादाबाद ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में पीडीए सम्मेलन का आयोजन किया गया था। सम्मेलन में सांसद रुचि वीरा को आमंत्रित नहीं किए जाने की चर्चा राजनीतिक गलियारों में जोर पकड़ने लगी। इस पर रुचिवीरा ने कहा था कि वह उस दिन मुरादाबाद में मौजूद थीं। लेकिन उन्हें कार्यक्रम की सूचना तक नहीं दी गई।उन्होंने इस मामले को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के समक्ष उठाने की बात भी कही थी। इसी घटनाक्रम को आधार बनाकर ओम प्रकाश राजभर ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी की। उन्होंने दावा किया कि मुरादाबाद की घटना समाजवादी पार्टी के भीतर चल रहे अंतर्विरोधों की झलक है।राजभर ने आरोप लगाया कि सपा नेतृत्व अन्य पिछड़ा वर्ग और दलित समाज के नेताओं को उचित सम्मान नहीं देता। उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ रहा है और आने वाले समय में समाजवादी पार्टी में बड़ी टूट देखने को मिल सकती है। राजभर के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद रुचिवीरा ने कहा कि ओम प्रकाश राजभर को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पूरी तरह एकजुट है। पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ मजबूती से खड़े हैं। समाजवादी पार्टी को तृणमूल कांग्रेस समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। उत्तर प्रदेश की जनता आने वाले समय में ऐसे बयानों का जवाब देगी। रुचिवीरा ने पलटवार करते हुए दावा किया कि उन्हें विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी मिली है कि स्वयं ओम प्रकाश राजभर और भाजपा के कई सांसद समाजवादी पार्टी के संपर्क में हैं।उन्होंने कहा कि वह राजभर के बयानों को कोई महत्व नहीं देतीं और समाजवादी पार्टी के संगठन को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम का जवाब जनता चुनाव में देगी। मुरादाबाद के पीडीए सम्मेलन से शुरू हुआ यह विवाद अब प्रदेश की सियासत में चर्चा का विषय बन गया है। विपक्ष और सत्तापक्ष के नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

संक्षिप्त समाचार

बिजली गुल- खुल गई आंख: इन दिनों मुरादाबाद में यही चल रहा, अब विभाग ने जारी किया व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर

मुरादाबाद में भीषण गर्मी के बीच लगातार बिजली कटौती से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। अवंतिका कॉलोनी, पीलीकोठी, दौलतबाग और बुद्धि विहार समेत कई इलाकों में रात और दिन में घंटों बिजली गुल रही। बिजली निगम के अनुसार ओवरलोडिंग, तकनीकी खराबी और हाईटेंशन लाइन में फॉल्ट के कारण आपूर्ति बाधित हुई। बिजली की अंधाधुंध कटौती ने लोगों का निद्रा चक्र बिगाड़ दिया है। रात को अक्सर उस वक्त बिजली जा रही है जब लोग गहरी नींद में होते हैं। भीषण गर्मी में पंखा, कूलर और एसी बंद होते ही लोगों की आंख खुल जाती है। कभी कभी तो बिजली के इंतजार में छतों पर टहलते टहलते ही सुबह हो जा रही है।शुक्रवार की रात को करीब दो बजे अवंतिका कॉलोनी, पीलीकोठी और दौलतबाग में बिजली चली गई थी। शनिवार की सुबह सात बजे इन इलाकों में बिजली आई। बुद्धि विहार में भी रात में दो बार बिजली कटी। शुक्रवार की सुबह भी कुछ देर के लिए बिजली गुल हो गई, हालांकि कुछ देर बाद सुचारु हो गईमहानगर की अवंतिका कॉलोनी निवासी अमित टंडन के अनुसार रात दो बजे बिजली कट गई, जो सुबह सात बजे आई और फिर साढ़े दस बजे फिर चली गई। बिजली निगम के अधिकारियों को फोन करने पर पता चला कि पीटीसी विद्युत केंद्रों से और विवेकानंद विद्युत केंद्र में ओवरलोडिंग के चलते तकनीकी खराबी आने से बंद हो गई है। इसके अलावा पीली कोठी, दौलत बाग विद्युत केंद्र से जुड़ी हाईटेंशन लाइन में फॉल्ट आने के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई। हजारों उपभोक्ता परेशान रहे। तकनीकी खराबी के चलते बिजली निगम की टीमों को फॉल्ट खोजने और उसे ठीक करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। सुबह साढ़े दस बजे गुल हुई बिजली आपूर्ति दोपहर दो बजे सुचारु हो सकी। रात के साथ साथ दिन में भी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। बिजली आपूर्ति ठप होने का असर प्रभाव पेयजल व्यवस्था पर भी दिखा। कहां, कब-कब गुल रही बिजली- 19 जून = अवंतिका कॉलोनी व नवीन नगर में रात को 10=30 बजे बिजली कट गई, मध्यरात्रि तक नहीं आई। 18 जून = कांशीराम नगर में लाइन बॉक्स में खराबी से रात्रि 12 बजे बिजली बंद रही, फिर सुबह दो घंटे की कटौती हुई। 17 जून = मंडी समिति बिजली घर से दिन में चार घंटे की कटौती के बाद रात्रि दो बजे फिर बिजली कटी, जिससे लोग सो नहीं सके। 16 जून = लाइनपार, पुराना शहर, पीतल नगरी सहित कई कॉलोनियों में रात को तीन घंटे बिजली गुल रही, लोगों ने बिजली घर पर हंगामा किया। 15 जून = अवंटिका कॉलोनी, नवीन नगर, लाइनपार की कई कॉलोनियों में रात में दो से चार घंटे तक बिजली गुल रही। बिजली विभाग ने जारी किया व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर- मुख्य अभियंता (विद्युत वितरण खंड मुरादाबाद) अशोक कुमार ने बताया कि उपभोक्ताओं को बिल न मिलने, बिलों में त्रुटियों के संशोधन तथा अन्य सेवा संबंधी शिकायतों के निस्तारण के लिए व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 7859804803 जारी किया गया है। इस सुविधा के माध्यम से उपभोक्ताओं को विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी और शिकायतों का समाधान अधिक तेजी से हो सकेगा। उपभोक्ताओं से अपने मोबाइल नंबर विभागीय अभिलेखों में अपडेट कराने को कहा गया है। उपभोक्ता व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर पर संदेश भेजकर पंजीकृत शिकायतें विकल्प का चयन करें। इसके बाद सर्विस संबंधित श्रेणी में जाकर अपना मोबाइल या व्हाट्सएप नंबर दर्ज कराने का अनुरोध कर सकते हैं। 33 केवी लाइन में फॉल्ट आ जाने के कारण आपूर्ति में दिक्कत आई थी, तकनीकी टीमों को लगाकर फॉल्ट ठीक करा दिया गया। जिसके बाद बिजली आपूर्ति सामान्य हो गई थी। -प्रशांत कुमार अधीक्षण अभियंता (नगर)

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

स्वच्छ बरेली, हरित बरेली का संकल्प...

नगर निगम के अभियान में मंत्री और सांसद ने दिया बड़ा संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चल रहे कार्यक्रमों के तहत नगर निगम द्वारा बाबा बनखंडी नाथ मंदिर के पास वृहद स्वच्छता अभियान एवं सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि पुराणों में लिखा है कि जहां स्वच्छता होती है, वहीं लक्ष्मी का वास होता है। उन्होंने लोगों से घरों के आसपास सफाई रखने, हरे-नीले कूड़ेदान रखने और सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग बंद करने की अपील की।मंत्री ने कहा कि बरेली अब स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने आगामी वृक्षारोपण अभियान का जिक्र करते हुए लोगों से एक पेड़ मां के नाम लगाने और उसकी देखभाल करने का आह्वान किया।वहीं सांसद बरेली छत्रपाल सिंह गंगवार ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान देश के प्रमुख अभियानों में से एक है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ वातावरण जरूरी है। नगर निगम द्वारा बनखंडी नाथ मंदिर के पास पुराने कूड़ा स्थल को सुंदर स्वच्छ हरित वाटिका और वेस्ट-टू-आर्ट क्षेत्र में विकसित करने की सराहना की।कार्यक्रम के दौरान मंत्री और सांसद ने वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान में सहभागिता की तथा लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। सांस्कृतिक दलों ने गीतों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया।इस अवसर पर महापौर उमेश गौतम, एमएलसी बहोरन लाल मौर्य, जिलाधिकारी अविनाश सिंह, नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य सहित कई अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बहेड़ी में डीएम की चौपाल, शिकायतों के निस्तारण पर फोकस और लापरवाही पर सख्ती

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । बहेड़ी तहसील में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह ने लोगों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान चकबंदी विभाग से संबंधित शिकायतें सबसे अधिक रहीं। जिलाधिकारी ने अवैध निर्माण और भूमि विवादों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।किसानों ने गन्ना मूल्य भुगतान का मुद्दा उठाया। नगर के अरुण कुमार ने गाटा संख्या 17 शेखूपुर सड़क टांडा में अवैध दुकानों के निर्माण की शिकायत की। उन्होंने बताया कि यह जमीन नगर पालिका की है और कई शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। इस पर जिलाधिकारी ने कार्रवाई के लिए कहा। एसडीएम इशिता किशोर ने बताया कि पीपी एक्ट में मुकदमा दर्ज हो चुका है और जल्द कार्रवाई होगी। नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष ने गाटा संख्या 200/3 पर अवैध निर्माण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि टीका के तालाब पर अवैध कब्जा कर निर्माण किया गया है। जिलाधिकारी ने इस मामले में जांच के आदेश दिए। आइजीआरएस पोर्टल की शिकायतें- जिलाधिकारी ने आइजीआरएस पोर्टल पर लंबित शिकायतों के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पांच फीसदी ऐसी शिकायतें थीं जिनमें शिकायतकर्ता संतुष्ट नहीं थे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शिकायतकर्ता के संतुष्ट होने के बाद ही शिकायत का निराकरण होगा। समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक देहात, शिक्षा विभाग, गन्ना विभाग, मत्स्य विभाग और बहेड़ी, रिछा, देवरनिया के अधिशासी अधिकारी भी मौजूद रहे।

गंगा एक्सप्रेसवे से जुड़ेगी बरेली की औद्योगिक टाउनशिप, बीडीए ने शुरू की कवायद

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बीडीए ने प्रस्तावित औद्योगिक टाउनशिप को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने की तैयारी की है। बीडीए उपाध्यक्ष सौम्या पांडेय ने इसके लिए अधिकारियों को मानचित्र में जरूरी संशोधन करने और सभी संभावनाओं का तकनीकी परीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। इस एक्सप्रेसवे से जुड़ाव का फायदा यह होगा कि बरेली की दिल्ली-एनसीआर और राज्य के अन्य प्रमुख आर्थिक केंद्रों से कनेक्टिविटी बेहतर हो जाएगी। इससे माल ढुलाई में समय और लागत दोनों की बचत होगी। इससे देश-विदेश के बड़े निवेशकों और भारी उद्योगों को आकर्षित किया जा सकेगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के हजारों नए अवसर पैदा होंगे।बीडीए उपाध्यक्ष ने शुक्रवार को रामगंगानगर और ग्रेटर बरेली आवासीय परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने विकास कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी जताई। उन्होंने ठेकेदारों से नाराजगी जताते हुए परियोजनाओं को समय पर पूरा कराने की हिदायत दी। कार्य की दैनिक प्रगति से अवगत कराने के लिए कहा है। बीडीए उपाध्यक्ष ने निरीक्षण के दौरान इंडस्ट्रियल टाउनशिप के लिए भूमि अर्जन प्रक्रिया में आ रही अड़चनों को दूर करने के निर्देश दिए। बीसलपुर रोड पर निर्माणाधीन नाले और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निरीक्षण कर जल निकासी व्यवस्था को समय पर दुरुस्त करने के लिए कहा। एसटीपी के ट्रीटेड पानी का उपयोग सिंचाई के लिए करने की सलाह दी।

गंगा एक्सप्रेसवे से जुड़ेगी बरेली की औद्योगिक टाउनशिप, बीडीए ने शुरू की कवायद

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। आपराधिक और समाज विरोधी गतिविधियों के आरोपों में बर्खास्त किए गए सिपाही और उसकी अधिवक्ता पत्नी के वसूली वाले खेल का पुलिस ने खुलासा किया है। बर्खास्त सिपाही सुरकेश शर्मा के मोबाइल फोन से पुलिस को कई अहम साक्ष्य मिले हैं।

भमोरा थाना पुलिस के अनुसार, वह गांव की राजनीति में दखल देकर महिलाओं के जरिए मुकदमे दर्ज कराता और फिर समझौते के नाम पर कथित वसूली करता था। जांच के बाद पुलिस ने सुरकेश शर्मा, उसकी पत्नी और अधिवक्ता कृतिका शर्मा तथा उसके साथी ओमवीर को गिरफ्तार कर लिया।
सुरकेश शर्मा उत्तर प्रदेश पुलिस का चर्चित सिपाही रहा है। उसके खिलाफ पहले से 17 मुकदमे दर्ज हैं और अब भमोरा थाने में उसके खिलाफ 18वां मामला दर्ज किया गया है। चंदौली में तैनाती के दौरान लंबे समय तक गायब रहने और आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोपों के चलते उसे पहले निलंबित और बाद में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। एसएसपी अनुराग आर्य ने वर्ष 2024 में उस पर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था, जिसे बाद में बढ़ाकर 25 हजार रुपये कर दिया गया। पुलिस का दावा है कि सुरकेश के मोबाइल की जांच में व्हाट्सएप कॉल और अन्य रिकॉर्ड मिले हैं, जिनसे कथित रंगदारी और समझौते के प्रयासों के संकेत मिले। पुलिस के अनुसार, अधिवक्ता कृतिका शर्मा भी पति की गतिविधियों में कानूनी मदद कर रही थीं। वहीं, बचाव पक्ष इन आरोपों को गलत बताते हुए पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठा रहा है।

जनता की शिकायतों का निस्तारण करें अधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / आज जनपद बदायूं जिलाधिकारी अवनीश राय व एसएसपी नें शनिवार को तहसील बिसौली में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को आमजन की समस्याओं का गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कुल 34 शिकायती व प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिनमें से 02 का मौके पर निस्तारण कर दिया गया शेष 32 के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए गए जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि आमजन की शिकायतों का निस्तारण शासन की प्राथमिकताओं में है अधिकारी समस्त प्राप्त शिकायतों को गंभीरतापूर्वक लेते हुए उनका गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शासन स्तर से भी संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के संबंध में फीडबैक लिया जाता है।
शिकायतों के निस्तारण में शिकायतकर्ता की संतुष्टि आवश्यक है इसका विशेष ध्यान रखा जाए उन्होंने कहा कि भूमि विवाद से संबंधित मामलों के निस्तारण के लिए राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर जाकर शिकायतों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें, निस्तारण के समय की फोटोग्राफी भी कराई जाए तथा अगर नियमानुसार किसी शिकायत का निस्तारण नहीं किया जा सकता है तो शिकायतकर्ता को इस बात की जानकारी भी दी जाए
संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर प्राप्त कुल 34 शिकायतों में से 02 का मौके पर निस्तारण कर दिया गया तथा शेष 32 के गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए गए। प्राप्त शिकायती व प्रार्थना पत्रों में राजस्व विभाग की 08, पुलिस विभाग के 09, विकास विभाग की 02, समाज कल्याण विभाग की 01, विद्युत विभाग की 02 व अन्य विभागों से संबंधित कुल 12 शिकायती व प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिनमें से विद्युत विभाग की 02 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, शेष 32 शिकायती पत्रों के निस्तारण के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए गए। इस अवसर पर एसएसपी अंकिता शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जलभराव की समस्या को लेकर दो पक्षों में विवाद, बुजुर्ग महिला और पुत्र ने एडीजी से मिल लगाई इंसाफ की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा/ बरेली। थाना प्रेमनगर क्षेत्र के गांधी नगर निवासी बुजुर्ग महिला सर्वेश शर्मा पत्नी विनोद अपने घर के आगे के आम रास्ते की मरम्मत करवा रही थी,, उनका कहना है कि पड़ोसी उर्मिला टंडन पत्नी स्वर्गीय कामेश्वर का मकान उनके घर के अगले हिस्से में पड़ता हैं,, महिला उर्मिला टंडन और उनके पुत्र अभिनव टंडन ने आम रास्ते की रोड जानबूझकर ऊंची करवा दी है जिस कारण बुजुर्ग महिला सर्वेश शर्मा के मकान में जलभराव की समस्या बनी रहती है,, जिसके चलते नौ जून को बुजुर्ग महिला सर्वेश जलभराव की समस्या से निजात पाने के लिए रोड पर ईंटे लगवा कर अपना आम रास्ता ठीक करवा रही थी,, आरोप है कि इस दौरान पड़ोसी महिला अपने बेटे अभिनव टंडन को लेकर मौके पर पहुंच गई और गाली गलौज अभद्रता करने लगी इस दौरान बुजुर्ग महिला सर्वेश शर्मा ने आपत्ति की तो अभिनव बुजुर्ग महिला के साथ हाथापाई अभद्रता शुरू कर दी,, बुजुर्ग महिला सर्वेश शर्मा का पुत्र अतुल शर्मा जो बाहर नौकरी करता है घर पर आया हुआ था,, बुजुर्ग मां के साथ विपक्षी द्वारा अभद्रता किए जाने पर मौके पर पहुंचा तो दोनों पक्षियों के बीच मारपीट होने लगी टंडन परिवार द्वारा पुलिस को सौंपे गए सीसीटीवी फुटेज में सिर्फ अतुल को मारपीट झगड़ा करता दिखाया गया है,, बुजुर्ग महिला सर्वेश शर्मा और उनके पुत्र का आरोप है कि विपक्षी उनका मकान हथियाना चाहतें हैं जो आए दिन किसी न किसी बात को मुद्दा बनाकर बेवजह लड़ाई झगड़ा करने पर आमादा रहते हैं,, बरहाल मामले में सीसीटीवी फुटेज को आधार बनाकर थाना पुलिस ने अतुल शर्मा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी हैं जबकि झगड़े में अतुल शर्मा के पैर में फ्रैक्चर होने के बावजूद भी थाना पुलिस कोई कार्यवाही नहीं कर रही है,, समस्या से त्रस्त मां बेटे ने एडीजी जोन बरेली कार्यालय में प्रार्थना पत्र पर मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की गुहार लगाई है ।

भोजीपुरा पुलिस ने किया किशोर गैंग का पर्दाफाश

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा/ बरेली। थाना भोजीपुरा पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल बरामद करते हुए दो बाल अपचारियों को पुलिस संरक्षण में लिया है। पुलिस के मुताबिक, 18 जून को धौराटांडा स्थित क्वालिटी एग्रो फूड से मोहम्मद आतिफ की मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी। मामले में थाना भोजीपुरा पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी थी। मुखबिर की सूचना और पुलिस टीम की सक्रियता के चलते भोजीपुरा पुलिस ने ऑटोमंडा तिराहे के पास से रात करीब 3:30 बजे दो बाल अपचारियों को पकड़ लिया। इनके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल नंबर UP25DD2450 बरामद हुई। पूछताछ में दोनों ने बताया कि उन्होंने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर बाइक चोरी की थी और बेचने की तैयारी में थे। चोरी के बाद बाइक की नंबर प्लेट भी हटा दी गई थी। मामले में पुलिस ने आगे की कार्रवाई करते हुए दोनों को किशोर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस टीम की इस कार्रवाई में थाना भोजीपुरा प्रभारी निरीक्षक कुंवर बहादुर सिंह समेत पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

नई जेल में शुरू हुई कैदियों की शिफ्टिंग, पहले दिन पहुंचे 66 बंदी, मंत्री के उद्घाटन का इंतजार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर के बीचों-बीच कचहरी के पास 172 करोड़ रुपये की लागत से तैयार नया जिला कारागार अब संचालन के लिए पूरी तरह तैयार हो गया है। जेल प्रशासन ने उद्घाटन की प्रक्रिया तेज कर दी है और कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान से समय मांगा गया है। इस बीच बंदियों की शिफ्टिंग भी शुरू कर दी गई है। पहले दिन केंद्रीय कारागार-2 से 66 कैदियों को नए जिला कारागार में स्थानांतरित किया गया। ब्रिटिशकालीन पुरानी जेल की 85 एकड़ भूमि पर बने इस अत्याधुनिक कारागार की कुल क्षमता 2579 बंदियों की है। पहले चरण में सात साल से कम सजा पाए 150 बंदियों को यहां शिफ्ट किया जाना है। महिला बंदियों के लिए अलग सेल भी तैयार कर ली गई है और उनके स्थानांतरण की प्रक्रिया भी जल्द शुरू होगी।

योग से स्वस्थ जीवन का संदेश, पौधारोपण से दिया हरित संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बहेड़ी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर केसर इंटर कॉलेज बहेड़ी में प्रधानाचार्य, शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थियों ने योग, प्राणायाम एवं ध्यान क्रियाएं कीं। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त प्रधानाचार्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने कहा कि संतुलित स्वास्थ्य के लिए नियमित योग जरूरी है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। इस वर्ष की योग दिवस थीम योग फॉर हेल्दी एजिंग रही। योग शिक्षक सत्यवीर ने योग प्रोटोकॉल के अनुसार अभ्यास कराया, जबकि उपप्रधानाचार्य चंद्रभानु सिंह ने प्राणायाम एवं ध्यान कराया। केसर इको क्लब प्रभारी प्रिय इंद्रजीत सिंह ने फलदार पौधों का रोपण कर योग के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में प्रधानाचार्य ने सभी को योग को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प दिलाया।

जमीन के लिए पिता को मार डाला, आरोपी बेटा, बहू फरार, तलाश में जुटी पुलिस

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। फरीदपुर क्षेत्र में संपत्ति बंटवारे को लेकर हुए विवाद में बेटा और बहू ने 60 वर्षीय बुजुर्ग पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल किसान डालचंद्र राठौर उर्फ डोरीलाल की उपचार के दौरान पांचवें दिन मौत हो गई। पुलिस ने अब आरोपी बेटा-बहू के खिलाफ दर्ज मारपीट के मामले को हत्या की धाराओं में बदल दिया है। पुलिस के मुताबिक, ढकनी गांव निवासी डालचंद्र राठौर की पत्नी पुष्पा, बेटा गोपी व बहू ज्ञान देवी के बीच बीते सोमवार सुबह बंटवारे को लेकर झगड़ा शुरू हुआ। बेटा और बहू जमीन बेचने का भी दबाव बना रहे थे। विवाद के दौरान गोपी और ज्ञान देवी मिलकर पुष्पा को पीटने लगे। डोरीलाल अपनी पत्नी को बचाने पहुंचे। आरोप है कि गोपी और ज्ञान देवी ने डोरीलाल को पकड़ लिया। बेटा-बहू ने हॉकी और धारदार हथियार से डोरीलाल पर ताबड़तोड़ वार किए। इससे डालचंद्र के सिर पर गंभीर चोटें आईं और उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। वह अचेत होकर जमीन पर गिर गए। घटना के बाद आरोपी बेटा-बहू घर छोड़कर भाग गए। परिजनों ने डालचंद्र को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां शुक्रवार दोपहर उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों की सूचना पर पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। सीओ संदीप सिंह ने बताया कि व गोपी और ज्ञान देवी के खिलाफ व दर्ज मारपीट के मामले में हत्या की धाराएं बढ़ा दी हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्रदर्शनी के अंतिम दिन रही भारी भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच/ बदायूँ केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों तथा उपलब्धियों पर आधारित डायट परिसर में आयोजित चार दिवसीय प्रदर्शनी के चौथे व अंतिम दिन बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। जनप्रतिनिधियों, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों आदि ने सेल्फी प्वाइंट पर तस्वीरें लेकर पलों को यादगार बनाया। शनिवार को जनप्रतिनिधियों, युवाओं, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों,अधिकारियों कर्मचारियों व गणमान्य नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि वे स्वयं भी इन योजनाओं का लाभ लेने तथा अपने परिचितों, रिश्तेदारों एवं ग्रामीणों को इनके प्रति जागरूक करने का कार्य करेंगे। आगंतुकों ने कहा कि सरकार बिना किसी भेदभाव के पात्र व्यक्तियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। प्रदर्शनी में केंद्र एवं राज्य सरकार की अनेक लाभार्थीपरक तथा जनहितकारी योजनाओं को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। केंद्र सरकार की योजनाओं में स्टार्टअप, मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना, महिला सशक्तिकरण संबंधी योजनाएं, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना तथा निःशुल्क खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाएं शामिल हैं। वहीं राज्य सरकार की मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को भी प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी का आयोजन सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया।

ईओ कोंचऔर चेयरमैन ने कोंच का बड़े नालों का निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ कोंच(जालौन) आज नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता और नगर पालिका परिषद की तेजतर्रार अधिशाषी अधिकारी मोनिका उमराव ने उरई रोड स्थित बड़ा नाले का निरीक्षण किया और निरीक्षण के समय आस आस के लोगों से इस बाबत बात कर इस नाले की साफ सफाई हेतु बात की उन्होंने कहा कि नगर में अब बरसात का मौसम आने वाला है इस लिये नगर में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो इसके पूर्व ही नाला नाले की बढ़िया से साफ सफाई व्यवस्था हो जावे ताकि जल निकासी की अच्छे से हो और बरसात का पानी यहां वहां न रुकने पाये उन्होंने कहा कि यह नगर आप का है आपकी जिम्मेदारी है कि नगर को साफ सुथरा और अच्छा रखे बता दे कि यह बड़ा नाला करीबन तीन सालों से साफ नहीं हुआ था जब पालिका इसे साफ करवाना चाहती तो वहां के लोग इस नाले को साफ करने में बाद विवाद कर अड़ंगा डाल देते थे और कुछ दबंगई दिखाकर इसे साफ नहीं होने देते थे लेकिन अबकी बार इस नाले की साफ सफाई के लिये सामंजस्य पूर्ण बात कर इस नाले की साफ सफाई की लोगो ने सहमति दी है और इस नाला साफ करवाने का मार्ग प्रशस्त करवा या है अब जल्द पालिका प्रशासन इस नाले की बढ़िया से साफ सफाई करवाने जा रही है नगर पालिका परिषद की तेजतर्रार अधिशाषी अधिकारी मोनिका उमराव ने बताया है कि बरसात के पूर्व नगर के सभी छोटे बड़े नाला नालियों की विशेष साफ सफाई अभियान चलाया जायेगा ताकि नगर में आने वाली बरसात में किसी भी इलाके में जलभराव की स्थिति न आने पाये इस अवसर पर सभासद अशोक सिंह गुर्जर अंकित यादव विकास पटेल सहित पालिका से जुड़े कर्मचारी मौजूद रहे।

सुबह 8:30 बजे जिला अस्पताल पहुंचे जिलाधिकारी, मरीजों के बीच जाना स्वास्थ्य सेवाओं का वास्तविक हाल

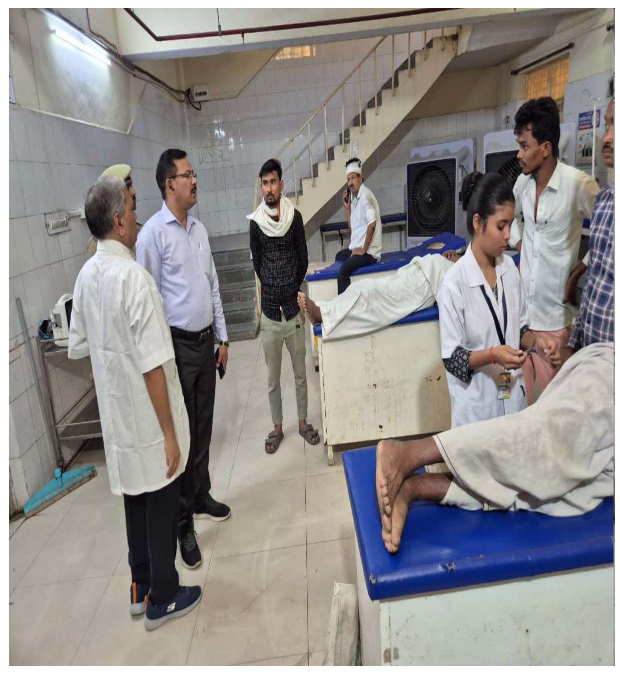

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ जनता के फीडबैक को बनाया मूल्यांकन का आधार, बेहतर एवं संवेदनशील स्वास्थ्य सेवाओं पर दिया विशेष बल जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी, संवेदनशील एवं जनकेंद्रित बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने शनिवार प्रातः लगभग 8=30 बजे जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया।

बिना पूर्व सूचना के अस्पताल पहुंचे जिलाधिकारी ने ओपीडी, इमरजेंसी, विभिन्न वार्डों तथा अस्पताल परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मरीजों एवं उनके तीमारदारों से सीधे संवाद स्थापित कर स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपचार प्राप्त कर रहे मरीजों से उनका हालचाल जाना तथा अस्पताल में उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सीय सुविधाओं, दवाओं, जांचों एवं चिकित्सकों की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से फीडबैक प्राप्त करते हुए कहा कि जनसामान्य को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। जिलाधिकारी ने अस्पताल में साफ-सफाई, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, पंजीकरण प्रक्रिया तथा मरीजों की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक मरीज के साथ संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित किया जाए तथा उपचार प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों की गुणवत्ता का वास्तविक आकलन तभी संभव है जब सीधे मरीजों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को समझा जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर बेहतर बनाया जा रहा है और आमजन को सहज, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पांच जुलाई से तीन अगस्त के बीच ट्रेनों का संचालन बाधित, ट्रैक में कार्य के चलते कुछ की गई रद्द

बरेली-चंदौसी रेलखंड पर मरम्मत कार्य के कारण पांच जुलाई से तीन अगस्त तक कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। बरेली-लोकमान्य तिलक, बरेली-उज्जैन, उज्जैन-बरेली और बरेली-दिल्ली एक्सप्रेस की कई सेवाएं निरस्त रहेंगी। 11 जुलाई को नौ घंटे के ब्लॉक के चलते कुछ पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द या विलंब से संचालित होंगी।मुरादाबाद रेल मंडल के बरेली स्टेशन यार्ड में मरम्मत कार्य किया जाएगा। इसी दौरान पांच जुलाई से तीन अगस्त के बीच ब्लॉक लिया जाएगा। इस दौरान बरेली-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस ट्रेन 11, 18, 25 जुलाई और एक अगस्त को निरस्त रहेगी।बरेली-उज्जैन एक्सप्रेस 8, 15, 22 और 29 जुलाई को और उज्जैन-बरेली एक्सप्रेस 9, 16, 23 और 30 जुलाई को निरस्त रहेगी। इसके अलावा बरेली-दिल्ली पांच जुलाई से 3 अगस्त 2026 तक निरस्त रहेगी। दिल्ली-बरेली एक्सप्रेस पांच जुलाई से तीन अगस्त तक निरस्त रहेगी। बरेली-चंदौसी रेल खंड में 11 जुलाई को नौ घंटे चलेगा मरम्मत कार्य- रेल मंडल के बरेली-चंदौसी रेल खंड में 11 जुलाई को नौ घंटे मरम्मत कार्य चलेगा। इस दौरान कुछ ट्रेनों को देरी से चलाया जाएगा। सीनियर डीसीएम महेश यादव ने बताया कि 11 जुलाई की सुबह 9=30 बजे से शाम 6=30 बजे तक ब्लॉक लिया जाएगा। जिस कारण 11 जुलाई को मुरादाबाद-बरेली (64178) और बरेली-मुरादाबाद (64177) पैसेंजर निरस्त रहेंगी। सीतापुर सिटी-जम्मूतवी एक्सप्रेस (54351) को 90 मिनट देरी से चलेगी। यात्रियों की सुविधा के लिए छह ट्रेनों में लगाए जाएंगे अतिरिक्त कोच- रेलवे ने मुरादाबाद रेल मंडल से गुजरने वाली छह ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाने का निर्णय लिया है। सीनियर डीसीएम महेश यादव ने बताया कि अयोध्या कैंट-आनंद विहार (04213) ट्रेन में 28 जून और आनंद विहार-अयोध्या कैंट (04214) को 29 जून, प्रतापगढ़-दिल्ली पद्मावत एक्सप्रेस में 27 जून से 3 जुलाई, दिल्ली-प्रतापगढ़ पद्मावत एक्सप्रेस में 30 जून से छह जुलाई, अयोध्या कैंट-दिल्ली एक्सप्रेस में 29 जून से पांच जुलाई और दिल्ली-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस में 28 जून से 4 जुलाई तक एक-एक अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाए जाएंगे।

किसी भी ऑटो में किराया सूची नहीं, कैसे पता चले कहां का भाड़ा कितना, जिम्मेदारों को खबर तक नहीं

मुरादाबाद में करीब तीन हजार ऑटो संचालित हो रहे हैं। इनमें अधिकांश ऑटो पर किराया सूची प्रदर्शित नहीं है। परिवहन विभाग ने 2023 में एक से दो किलोमीटर का किराया 10.44 रुपये और उसके बाद पांच रुपये प्रति किलोमीटर तय किया था।मुरादाबाद जिले में सड़कों पर तीन हजार ऑटो दौड़ रहे हैं। इसमें लगभग 1750 ऑटो शहर के भीतर संचालित हो रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि किसी भी ऑटो पर किराया सूची चस्पा नहीं की गई है। अगर कोई यह जानना चाहे कि कहां का किराया कितना है तो पता नहीं चल सकेगा।चालक ने जो बता दिया वही मानकर सवारियां भुगतान कर देती हैं। परिवहन विभाग ने वर्ष 2023 में किराया तय किया था। इसके तहत एक से दो किलोमीटर तक 10.44 रुपये किराया निर्धारित है और इसके बाद पांच रुपये प्रति किलोमीटर की दर लागू है।यही किराया वर्तमान में लागू है। परिवहन विभाग के अनुसार, नियमों के मुताबिक हर ऑटो पर किराया सूची और चालक का नाम, पंजीकरण संबंधी जानकारी प्रदर्शित होना जरूरी है, ताकि यात्रियों को तय दरों की जानकारी मिल सके।रात 11 बजे से कुल किराये का 25 त्न अतिरिक्त शुल्क- परिवहन विभाग के अनुसार, रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक कुल किराये पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लिया जाता है। उदाहरण के तौर पर दिन में चौधरी चरण सिंह चौक से बस अड्डे तक 20 रुपये किराया है तो रात में यही दूरी तय करने पर 25 रुपये देने होंगे। अन्य सेंटरों से संचालित हैं 1250 ऑटो- परिवहन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक मुरादाबाद शहर में वर्ष 2010 से नए ऑटो परमिट बंद हैं। नया मुरादाबाद, कांठ और डिलारी सेंटरों से परमिट जारी किए जाते हैं। जिले में सबसे ज्यादा ऑटो मुरादाबाद शहर और नया मुरादाबाद सेंटर पर पंजीकृत हैं। इन दोनों जगहों से करीब 1750 ऑटो चल रहे हैं। बाकी के सेंटरों से 1250 ऑटो संचालित किए जा रहे हैं। सिटी ऑटो रिक्शा वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष विशन लाल सिंह ने बताया कि पिछले दो साल से किराये को लेकर कोई बैठक नहीं हुई है। दो साल पहले कुछ ऑटो पर किराया सूची लगवाई गई थी, लेकिन अब ऑटो, ई-रिक्शा और ई-ऑटो संचालन को लेकर प्रशासन का ध्यान नहीं है। ऑटो पर किराया सूची लगाकर चलना अनिवार्य है और जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों के चालान भी किए जाते हैं। - आंजनेय सिंह, (प्रशासन) एआरटीओ

सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने दिखाई सख्ती, 145 शिकायतों में 28 का मौके पर निस्तारण

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ संवेदनशील मामलों में 9 अधिकारियों की टीम तत्काल मौके पर रवाना, अतिक्रमणकारियों व लापरवाह ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट कर कड़ी कार्रवाई के निर्देश जनपद की तहसील कालपी में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। समाधान दिवस में कुल 145 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 28 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर फरियादियों को तत्काल राहत प्रदान की गई, जबकि शेष प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता केवल शिकायतों का निस्तारण नहीं, बल्कि पीड़ित व्यक्ति को वास्तविक न्याय दिलाना है। उन्होंने विशेष रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण, चकरोड, विरासत, अंश निर्धारण एवं राजस्व अभिलेखों से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को मौके पर जाकर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समाधान दिवस के दौरान प्राप्त सात संवेदनशील प्रकरणों में तत्काल कार्रवाई करते हुए नौ अधिकारियों की संयुक्त टीमों को मौके पर रवाना किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ऐसे मामलों में केवल औपचारिक रिपोर्ट प्रस्तुत न की जाए, बल्कि वास्तविक स्थिति का परीक्षण कर प्रभावी समाधान कराया जाए। समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मोहम्मदपुर निवासी लक्ष्मी देवी की मौजा बारा में विरासत दर्ज किए जाने संबंधी शिकायत, सोहरनपुर निवासी सुरेंद्र कुमार की खतौनी में नाम दर्ज किए जाने की शिकायत, आटा निवासी मलखान एवं चिरौरा निवासी किशना देवी के अंश संशोधन संबंधी प्रकरण, उदनपुर निवासी सुरजी की अंश निर्धारण एवं नाम दर्ज करने की शिकायत तथा परशन निवासी रामगोपाल की खतौनी में हिस्सेदारी दर्ज किए जाने संबंधी शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर राहत प्रदान की गई। वहीं अहमदपुर दिवारा के गाटा संख्या 8/8 के अंश निर्धारण संबंधी शिकायत पर भी तत्काल कार्रवाई कर समाधान कराया गया। कार्यवाही के दौरान मिर्जामंडी निवासी सर्वेश कुमार गुप्ता द्वारा सरकारी भूमि एवं नाले पर अतिक्रमण की शिकायत प्रस्तुत की गई, जिस पर उप जिलाधिकारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इटौरा गुरु के कमलेश बाबू, रामकली, रामऔतार, गयाप्रसाद, मोहन, रमेश, संतोष, जयकरन पाल, बलवान पाल एवं प्रताप द्वारा चकमार्ग संख्या-802 पर अवैध कब्जे की शिकायत किए जाने पर राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर भेजा गया। बिनौरा निवासी दिलीप कुमार एवं संदीप कुमार द्वारा भूमि कब्जे संबंधी शिकायत पर उप जिलाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।कालपी क्षेत्र के पवनदीप निषाद, उमाशंकर निषाद एवं महावीर द्वारा शेखपुर बुल्दा स्थित प्राचीन वेदव्यास मंदिर में पर्यटन विभाग द्वारा कराए जा रहे बोल्डर पिचिंग कार्य की गुणवत्ता को लेकर शिकायत की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने सिंचाई एवं आरईएस विभाग के अधिकारियों की संयुक्त जांच टीम गठित कर मौके पर भेज कर मानकों के अनुरूप जांच करने के निर्देश दिए। सिकरी रहमानपुर निवासी गोविंद सिंह द्वारा नाले पर अवैध कब्जे की शिकायत तथा बसरेही निवासी छोटेलाल द्वारा कृषि पट्टा भूमि की पैमाइश कराए जाने संबंधी शिकायत पर भी संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रदीप कुमार बाजपेई द्वारा चकरोड संख्या-621 पर मिट्टी डलवाने की शिकायत पर खंड विकास अधिकारी महेवा को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए।सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान सरस्वती शिशु मंदिर, इंदिरा नगर कालपी में इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य से संबंधित शिकायत भी सामने आई। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किए जाने की कार्रवाई प्रारंभ करने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में लापरवाही एवं गुणवत्ता किसी भी स्तर पर बर्दास्त नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि विवाद, चकरोड, अतिक्रमण एवं राजस्व संबंधी प्रकरणों का निस्तारण पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ किया जाए, ताकि आमजन को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने भी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर विवादित एवं संवेदनशील मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें तथा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाले तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.एन. प्रसाद, उप जिलाधिकारी कालपी अमित शेखर सहित जनपद स्तरीय अधिकारी एवं संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कर महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति के उद्देश्यों के प्रति किया गया जागरुक

क्यूँ न लिखूँ सच/भूपेन्द्र तिवारी / मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के तहत मिशन शक्ति टीमों द्वारा विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कर महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति के उद्देश्यों के प्रति किया गया जागरुक मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण अन्तर्गत महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0 स्वानिधि योजना, पी0एम0 सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/भूपेन्द्र तिवारी / जनपद के प्रत्येक तहसील स्तर पर सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया । जिलाधिकारी महोदय श्री अक्षय त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक महोदय श्री विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा तहसील सदर में उपस्थित रहकर सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की गई । इस दौरान फरियादियों की समस्याओं को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को मौके पर जाकर जनशिकायतों की निष्पक्ष जाँच कर विधिक निस्तारण करने तथा निस्तारित प्रार्थना पत्रों की आख्या समय से प्रेषित करने के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया तथा कुछ शिकायतों के निस्तारण हेतु टीम गठित कर मौके पर जाकर जाँचकर निस्तारण करने हेतु रवाना किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी बहराइच, राजस्व व प्रशासन के अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण मौजूद रहे ।

उप जिलाअधिकारी महोदया व क्षेत्राधिकरी नानपारा की अध्यक्षता में आज तहसील नानपारा में सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/भूपेन्द्र तिवारी / जनपद के तहसील नानपारा में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया । उप जिलाधिकारी महोदया एवं क्षेत्राधिकार नानपारा के द्वारा तहसील नानपारा में उपस्थित रहकर सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की गई । इस दौरान फरियादियों की समस्याओं को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को मौके पर जाकर जनशिकायतों की निष्पक्ष जाँच कर विधिक निस्तारण करने तथा निस्तारित प्रार्थना पत्रों की आख्या समय से प्रेषित करने के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया तथा कुछ शिकायतों के निस्तारण हेतु टीम गठित कर मौके पर जाकर जाँचकर निस्तारण करने हेतु रवाना किया गया। इस दौरान तहसील के सभी अधिकारी गण मौजूद रहे

थाना उझानी पुलिस नें दो अभियुक्तगण को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच/ एसएसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन में अपराध व अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान तथा मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम के अभियान के तहत आज थाना उझानी पुलिस द्वारा अब्दुल्लागंज रोड ट्यूबैल के पास से मुखबिर की सूचना पर 02 अभियुक्तगण 01. गौरव पुत्र नन्हेलाल निवासी ग्राम जखेली थाना अलापुर जनपद बदायूँ 2. रामौतार पुत्र विजय सिंह निवासी ग्राम रन्जौरा थाना बिनावर जनपद बदायूँ को गिरफ्तार किया गया जिनके कब्जे से क्रमश: 230 ग्राम व 258 ग्राम कुल 488 ग्राम अफीम व एक अदद मो0सा0 UP24W0142 बरामद हुयी । बरामदगी के आधार पर थाना उझानी पर मु0अ0सं0 227/2026 8/18 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

कवि राघवेन्द्र 'विकल' की साहित्यिक साधना को एटा में मिली भावपूर्ण श्रद्धांजलि, वक्ताओं ने किया कृतियों का मूल्यांकन

क्यूँ न लिखूँ सच/ निशाकांत शर्मा/ एटा- चाय पर साहित्य की चर्चा गोष्ठी के अंतर्गत जनपद के गौरव वरिष्ठ कवि राघवेन्द्र विकल के व्यक्तित्व एवं साहित्यिक कृतित्व पर होटल देव सागर, आगरा रोड, एटा में एक गरिमामय साहित्यिक आयोजन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती के पूजन एवं श्री राघवेंद्र विकल के चित्र पर पुष्प अर्चन के साथ आरंभ हुआ। डॉ सुधीर पालीवाल ने भावपूर्ण सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।कार्यक्रम के अध्यक्ष आचार्य डॉ. प्रेमी राम मिश्र ,मुख्य अतिथि रवीन्द्र शर्मा एडवोकेट एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अशरफ हुसैन का कार्यक्रम संयोजक नवनीत शर्मा ने पटका पहना कर एवं उनकी धर्मपत्नी प्रीति शर्मा ने चंदन तिलक लगाकर स्वागत किया। विशिष्ट वक्ताओं में डॉ. ओम ऋषि भारद्वाज, डॉ. सुधीर पालीवाल, श्री संजय सिंह लफ्ज, दिनेश प्रताप सिंह चौहान, संजय शर्मा, वरिष्ठ कवि बलराम सरस , निशाकांत शर्मा एडवोकेट तथा अच्युतम् केशवम् ने विस्तार पूर्वक विचार व्यक्त करते हुए विकल जी की रचनाओं में निहित सामाजिक चेतना, मानवीय संवेदना और जीवन-दर्शन को रेखांकित किया। अन्य वक्ताओं में प्रीति शर्मा, विवेक शर्मा, आस्था शर्मा, एकांश शर्मा ने पारिवारिक मूल्यों का स्मरण कराते हुए अपने संस्मरण प्रस्तुत किए। डॉ ओम ऋषि भारद्वाज ने पिता का सम्मान पूर्वक स्मरण कराने वाले पुत्र नवनीत शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि यह भारतीय संस्कृति के उस आदर्श को चरितार्थ कर रहा है जिसमें माता पिता को देव तुल्य बताया गया है। अध्यक्षीय उद्बोधन में आचार्य प्रेमी राम मिश्र ने जनपद के दिवंगत साहित्यकारों का स्मरण करने का प्रयोजन बताते हुए कहा कि अपने पूर्वजों के सद् गुणों को विस्मृत कर देने वाला समाज कभी अपराध बोध से मुक्त नहीं हो सकता। उन्होंने प्रमाण सहित बताया कि कविवर राघवेंद्र विकल की सत्य ,शील और संवेदनशीलता की मानसिकता साहित्य में ही नहीं व्यवहार में भी समान भाव से बनी रही । इस अवसर पर सर्वेश बाबू दीक्षित , अध्यक्ष सरस्वती शिशु मंदिर एटा, योगेश सक्सैना एडवोकेट, राजीव कुलश्रेष्ठ, अब्दुल तारिक, संजय गुप्ता, खुशीराम, पीयूष, रज्जी भैया, विभव कुमार शर्मा श्रीमती रुक्मिणी शर्मा रश्मि शर्मा, आस्था शर्मा आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।? संयोजक श्री नवनीत शर्मा ने अपने पिता की स्मृति में प्रतिवर्ष एक भव्य समारोह में एटा जनपद के किसी विशिष्ट रचनाकार को ?21000/ की धनराशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान करने की घोषणा भी की। कार्यक्रम के अंत में कविवर बलराम सरस ने सभी उपस्थित साहित्यकारों, अतिथियों एवं श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। गोष्ठी का समापन स्व. राघवेन्द्र विकल के साहित्यिक अवदान को नमन करते हुए किया गया। कार्यक्रम के मध्य में संयोजक नवनीत शर्मा ने सभी का चंदन तिलक लगाकर, पटका पहना कर एवं इंडोर प्लांट का सुंदर गमला भेंट किया।कार्यक्रम का स्मरणीय संचालन कर मुकेश मिश्र पूर्व अध्यक्ष संस्कार भारती ब्रज प्रांत ने उसे और भी अधिक उल्लेखनीय बना दिया । । अंत में सभी आगंतुक सुमधुर रात्रि भोज का आनंद प्राप्त कर विदा हुए।

जनपद में योग का विराट उत्सव, चार हजार लोगों ने निकाली पांच किलोमीटर जनजागरूकता रैली

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार/ 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व सुबह जनपद मुख्यालय उरई में योग के प्रति अभूतपूर्व जनउत्साह देखने को मिला। नगर के टाउन हॉल से प्रारंभ होकर चौक, घंटाघर और रेलवे स्टेशन तक निकली लगभग पांच किलोमीटर लंबी योग जनजागरूकता रैली में करीब चार हजार नागरिकों ने सहभागिता की। पहली बार इतनी बड़ी संख्या में लोग स्वयं सड़कों पर उतरकर योग को जनआंदोलन का स्वरूप देते नजर आए।

रैली को सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय तथा मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह ने टाउन हॉल परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आयोजन में नगर के प्रत्येक वार्ड से 100 से अधिक प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी रही। विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं, स्वयंसेवी संगठनों के सदस्यों, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और आम नागरिकों ने पूरे उत्साह के साथ रैली में शामिल होकर योग के महत्व को जन-जन तक पहुंचाया।

इस अवसर पर सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत है, जो आज पूरे विश्व को स्वस्थ जीवन का मार्ग दिखा रही है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन का भी सशक्त माध्यम है। उन्होंने नागरिकों से 21 जून को आयोजित सामूहिक योग कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि इतनी बड़ी जनभागीदारी यह दर्शाती है कि जनपद में योग के प्रति जागरूकता निरंतर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि योग को केवल एक दिवस तक सीमित न रखकर दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाया जाना चाहिए। तभी स्वस्थ, सशक्त और आत्मनिर्भर समाज के निर्माण का लक्ष्य साकार हो सकेगा।

जनपद प्रशासन के नेतृत्व में आयोजित यह विशाल योग जनजागरूकता रैली अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को जनआंदोलन का रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। इस आयोजन ने योग के माध्यम से स्वस्थ जालौन का संदेश पूरे नगर में प्रभावी रूप से प्रसारित किया।

जनप्रतिनिधियों ने योजनाओं के लाभार्थियों को सौंपे स्वीकृति पत्र, नशा मुक्ति की दिलाई शपथ

क्यूँ न लिखूँ सच/ जनपद बदायूं में केंद्र सरकार के 12 वर्ष के कार्यों को भली प्रकार से बयां करती हैं। सुशासन को समर्पित केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर उपलक्ष्य में शनिवार को समेकित जनकल्याण एवं जन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत डायट परिसर में विकास प्रदर्शनी व विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित करने का कार्यक्रम सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

सदर विधायक ने सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई व हस्ताक्षर कर अभियान को गति देने का कार्य किया सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने विश्व में भारत का झंडा बुलंद किया था, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी ने भारत का झंडा बुलंद करते हुए विश्व पटल पर भारत की छवि को बढ़ाने का कार्य किया है,आज विदेशो में भारत का मान बड़ा है। उन्होंने कहा कि मोदी जी देश की जनता को ईश्वर के समान मानते हुए दिन-रात कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के 12 वर्ष जनता को समर्पित रहे बिल्सी विधायक हरीश शाक्य ने कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने से सफलता अवश्य मिलती है।

उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार के कार्यकाल में हर वर्ग को योजनाओं का लाभ दिया गया है तथा शोषित, वंचित, गरीब सभी की समस्याओं का निस्तारण कर उन्हें योजनाओं के लाभ से आच्छादित भी किया गया है।

उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी ने 12 वर्षों में एक भी दिन का अवकाश नहीं लिया है और जनता की सेवा के लिए लगातार कार्य किया है यह उनके देश के प्रति समर्पण का भाव प्रदर्शित करता है जिससे हम सभी को सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार बिना भेदभाव के सभी पात्रों को योजना का लाभ दे रही है उत्तर प्रदेश आज भय मुक्त प्रदेश होकर प्रगति पथ पर अग्रसर है तथा देश मोदी जी के नेतृत्व में उत्तरोत्तर वृद्धि कर रहा है

कार्यक्रम के दौरान जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार अशोक खुराना ने अपने द्वारा रचित पंक्तियां प्रस्तुत करते हुए कहा कि ईश कृपा से हो गये, पूरे बारह साल। उन्नति को पहना रहा,अब विकास जयमाल। जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी, स्वयं सहायता समूह की दीदीया आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

आपसी परिवारिक विवाद को समाप्त कराकर 05 परिवारो में सुलह कराते हुए परिवारो को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच/भूपेन्द्र तिवारी / आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

आमजन की समस्याओं को सुना गया एवं उनके गुणवत्तापूर्ण व त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/भूपेन्द्र तिवारी / उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के क्रम में कर्नलगंज तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील करनैलगंज सभागार जनपद गोण्डा में पुलिस उपमहानिरीक्षक, देवीपाटन परिक्षेत्र, गोण्डा श्री अशोक कुमार द्वारा आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों की गंभीरतापूर्वक सुनवाई की गई। समस्याओं के त्वरित एवं गुणवक्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को मौके पर जाकर शिकायतों का शत-प्रतिशत निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। अधिकारीगणों द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश शासन के दिशा-निर्देशों से अधिकारी एवं कर्मचारीगणों को अवगत कराते हुये प्रार्थना-पत्रों की समयबद्ध जांच, कार्यवाही एवं समस्याओं के निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। डीआईजी श्री अशोक कुमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनशिकायतों के निस्तारण में पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं संवेदनशीलता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक प्राप्त प्रार्थना पत्र का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है, अत: किसी भी स्तर पर शिथिलता अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इस दौरान जिलाधिकारी गोण्डा श्रीमती प्रियंका निरंजन व पुलिस अधीक्षक गोण्डा श्री विनीत जायसवाल व राजस्व, पुलिस तथा अन्य विभाग के अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अष्टलक्ष्मी ने वैश्विक मानचित्र पर बनाई मजबूत पहचान; पूर्वोत्तर के विकास पर बोलीं वित्त मंत्री

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत के आठ राज्य 'अष्टलक्ष्मी' के रूप में वैश्विक पहचान बना चुके हैं। उन्होंने क्षेत्र में ऑर्गेनिक खेती, आधुनिक बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी में हुई प्रगति का जिक्र किया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि पूर्वोत्तर भारत अब वैश्विक स्तर के कई खास स्थलों का घर बन चुका है, जो सतत और समावेशी विकास का उदाहरण पेश कर रहे हैं।वित्त मंत्री ने कहा? सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में वित्त मंत्री ने कहा कि 'अष्टलक्ष्मी (अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा) अब वैश्विक मानचित्र पर मजबूती से अपनी पहचान बना चुकी है। उन्होंने कहा कि दुनिया के पहले 100 प्रतिशत ऑर्गेनिक राज्य से लेकर दुनिया की सबसे लंबी दो-लेन सुरंग और सबसे ऊंचे गर्डर रेल पुल तक, पूर्वोत्तर क्षेत्र ने कई वैश्विक उपलब्धियां हासिल की हैं।केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी एक एक्स पोस्ट में कहा कि पूर्वोत्तर के आठ राज्य कभी विकास की मुख्यधारा से काफी दूर माने जाते थे। लेकिन आज ये राज्य भारत की विकास यात्रा के नए इंजन के रूप में उभर रहे हैं, जो समृद्धि, शक्ति और अपार संभावनाओं से भरे हुए हैं।12 वर्षों में पूर्वोत्तर क्षेत्र का कितना विकास- एक आधिकारिक फैक्ट शीट के अनुसार, पिछले 12 वर्षों में पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास परिदृश्य में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिला है। यह परिवर्तन लगातार नीतिगत समर्थन, बुनियादी ढांचे के विस्तार और समावेशी विकास कार्यक्रमों के कारण संभव हुआ है। सड़क, रेल, हवाई और डिजिटल कनेक्टिविटी में सुधार ने क्षेत्र की भौगोलिक दूरी और अलगाव को कम किया है।

Does excessive fruit falling from a Jamun tree mean a drought is coming? Learn the truth behind the viral claim.

Can the Jamun tree really predict the coming weather? Is a year of abundant fruit or a large number of Jamuns falling on the ground scientific evidence that there will be less rainfall or a drought? Summer brings with it a bounty of seasonal fruits. Fruits like mangoes and litchis are abundant in the market during this season. Jamuns are also widely consumed in summer. In villages, the area beneath the trees turns purple due to the falling berries. This fruit is a gift from nature to us. Jamuns are rich in many nutrients that can help protect the body from many serious diseases. But is this fruit truly a gift or a curse? This question is being raised because a post is going viral on social media, claiming that in years when there is a high Jamun harvest and more Jamuns fall from the tree, there is a greater risk of drought. It is being claimed that in many areas, there is a buzz that "there are so many berries falling this year, it seems there will be a drought!" Is there any truth to this claim? What is the claim? Social media posts claim that the number of berries seen in the market this year is unprecedented in the last three decades. Piles of berries are piling up beneath the trees. Trees that bore only a few fruits last year are also laden with berries this time. Our grandmothers always said that a summer in which such abundance of berries is seen is marked by a severe drought. The post also supports this claim by stating that this traditional knowledge is accurate from a botanical perspective. In science, this interesting and equally surprising process is called masting or stress fruiting. What logic is being given? The social media post states that this is nature's law of propagating genes. When a tree senses a severe water shortage underground or signs of a major change in the weather, it goes into defense mode. The tree realizes it may not survive in the near future.

Instead of protecting itself, it focuses all its energy on producing fruit to maintain its species on Earth. In addition to establishing a stock of fruit, the tree completely stops producing new leaves or twigs during such years. Because new leaves require more water and nutrition to survive, the tree conserves this energy and focuses solely on increasing its production of berries. It is being said that the jamun tree does not commit suicide, but rather sacrifices itself to give birth to its next generation (seeds). Is there any truth to this claim? To find out the truth behind this viral post, we contacted Dr. Kripa Ram, an environmental scientist at Banaras Hindu University, Varanasi. He completely denies these claims. Professor Dr. Kripa says it could be a coincidence. It's possible that a drought may have occurred during a year when the harvest was good, but this cannot be considered scientifically accurate. It's natural for plants to draw more water to increase fruit production, but this has no connection to the low rainfall or drought that year. Therefore, our investigation proves the claim that high jamun production led to drought to be false.

Kidney patients must know this '3D formula'; even one mistake can worsen their condition.

If you or someone in your family is suffering from kidney disease, it's important to understand that small daily habits can make a big difference in the long run. The 3D formula is crucial for patients. For the body to function properly, all organs must remain healthy and contribute continuously. A problem in any organ can have an impact on overall health. The kidneys are one of the most vital organs in our body. They continuously remove excess water and toxins from the body, maintaining the body's chemical balance. However, lifestyle and dietary irregularities have severely impacted kidney health. Consequently, problems like kidney stones are increasing at a young age. Health experts say that people often take painkillers without consulting a doctor, consume processed foods and excess salt, and ignore blood pressure and blood sugar issues. Over time, these habits can gradually reduce kidney function. How to keep your kidneys healthy? Doctors say that maintaining a healthy kidney health

requires a good diet, drinking plenty of water, and avoiding smoking and alcohol. However, kidney care doesn't just mean drinking plenty of water. Each patient's needs are different. Some are advised to limit fluids, while others need to control their protein, potassium, or sodium intake. Therefore, accurate information and medical advice are crucial. Doctors recommend a three-dimensional formula for this, which can be very helpful in keeping your kidneys healthy. D (Diet) - Pay attention to the right diet - Maintaining a proper diet is crucial for kidney patients. Eating too much salt causes high blood pressure and can put additional strain on the kidneys. Therefore, salt intake should be minimized. Many doctors advise reducing sodium, avoiding processed foods, and controlling protein intake as needed. The same diet is not suitable for all patients. Consult your doctor about a healthy diet for you. D - Proper use of medications - Many over-the-counter pain relievers, herbal supplements, and over-the-counter medications can damage the kidneys. Medication dosages are often adjusted differently for kidney patients because the kidneys play a role in eliminating medications. The risk may increase if you change or change medications without consulting your doctor, or if you repeatedly use antibiotics and painkillers. D (Disease Control) Diabetes and high blood pressure are the leading causes of chronic kidney disease worldwide. Long-term high blood sugar damages the kidneys' tiny blood vessels. Uncontrolled blood pressure increases pressure on the filtering units. Regular checkups, proper medication intake, a balanced lifestyle, and regular consultation with your doctor help reduce your risk. Does kidney cancer only affect the elderly? Learn these things to avoid this deadly disease. Doctors say that if kidney cancer is detected early, treatment—surgery and therapy—can save the patient's life. Are you aware of its risks? Kidney cancer is a growing serious and life-threatening health problem globally. Kidney cancer is the 14th most common cancer worldwide. Worldwide, approximately 43.4 million new cases are diagnosed each year, and 15.5 million people die. Cases and deaths are significantly higher in men, the elderly, and developed countries. Doctors say that if cancer is detected early, treatment—surgery and therapy—can save the patient's life. Unfortunately, most cases are detected only in the advanced stages. Health experts say that many misconceptions and incomplete information about kidney cancer persist, making timely diagnosis and treatment extremely difficult. Let's explore some myths about kidney cancer that people often believe to be true. Myth: Does kidney cancer only affect the elderly? It's true that the risk of kidney cancer is higher in the elderly, but it can also affect younger people. Studies show that one-third of the younger population, especially those under 50, may be at risk. Poor lifestyle choices and alcohol consumption, a family history of cancer, or pre-existing kidney diseases can also make young people vulnerable. Myth: Blood in the urine means kidney cancer? Urine tests can easily diagnose many health problems. Diseases can also be diagnosed based on the color of the urine. If your urine appears bloody, it's worth paying close attention. However, blood in the urine doesn't always indicate cancer. This problem can also occur with diseases like UTIs. However, if you've been passing blood-tinged or burgundy urine for a few days, get it checked. Myth: Are women at higher risk for kidney cancer? Kidney cancer can affect people of any age or gender. However, men have approximately twice the risk as women. Smoking and exposure to cancer-causing toxins in the workplace may increase the risk. However, women who experience frequent UTIs or vaginal infections should consult a doctor to monitor their kidney health. Myth: Alcohol only causes liver cancer, not kidney cancer. Health experts consider alcohol to be dangerous for both the kidneys and the liver. Alcohol consumption can have serious adverse effects on the entire body. Like alcohol, smoking doubles the risk of developing kidney cancer. These two habits alone cause approximately 30% of kidney cancer cases in men and approximately 25% in women.

"Spider-Man: Brand New Day" trailer released; Peter Parker grapples with a mysterious change, and the Hulk becomes his enemy.

The trailer for "Spider-Man: Brand New Day" was released today. Here's what's special about it... The wait for "Spider-Man" fans is somewhat over. The trailer for "Spider-Man: Brand New Day" was released today. A new showing Mark Ruffalo returning to the the Hulk). The two-minute, 39-second Holland's Peter Parker, who is seen What's in the trailer? In this new trailer, I'm losing my temper. I have no control over This is where the film's true story begins. Banner, played by Mark Ruffalo. The film shows Banner transforming into the Hulk first entry in the franchise alongside Destin Daniel Cretton and written by Chris Man: Brand New Day' will release in is returning as Peter Parker, while

trailer for the film has been released, role of Bruce Banner (also known as trailer hints at a new challenge for Tom grappling with a mysterious change. Peter says, "What's happening to me? myself, and I have to fix this right now." To get answers, Peter goes to Bruce will release on July 31 - The trailer later in front of Spider-Man. This is Ruffalo's Holland's Peter Parker. Directed by McKenna and Erik Sommers, 'Spider-theaters on July 31, 2026. Tom Holland Zendaya is returning as MJ. The cast also includes Jon Bernthal, Sadie Sink and Liza Colon-Zayas in important roles.

Sara Ali Khan, the young princess of the Pataudi family, shared several photos in a royal style with "Superman" fame actor Henry Cavill.

The young princess of the Pataudi family and Bollywood actress Sara Ali Khan shared photos of her royal style from an event. She was also seen with renowned Hollywood actor Henry Cavill. Take a look at the photos... A wonderful confluence of Hollywood and Bollywood was witnessed on Thursday evening when photos of "Superman" fame actor Henry Cavill and Bollywood actress Sara Ali Khan's meeting went viral on social media. Both actors attended an event for a luxury watch brand. The young princess of the Pataudi family, Sara Ali Khan, looked regal at the event. Sara shared several photos from the event on her Instagram. Take a look... Sara was seen with Hollywood star Henry Cavill at the event. Posting the photos, Sara captioned it, "A royal evening..." Sara chose a monochromatic ivory outfit for the special event, perfectly blending her beauty and elegance. Her look, while oozing vintage charm, also showcased modern elegance. She wore a structured midi-length sheath dress made from a richly textured tweed-style fabric. The scoop neckline added a striking touch. To further enhance her look, she draped a matching blazer over her shoulders, adding a royal touch to her overall look. Sara's accessories were equally stylish and eye-catching. The actress accessorized with an embroidered pouch bag, pointed-toe pumps adorned with a crystal buckle, and a brooch. Sara Ali Khan, daughter of Saif Ali Khan and Amrita Singh, belongs to the famous Pataudi family. Even before this, Sara had made it to the Forbes India Celebrity 100 list in the year 2019. Talking about her career, she was recently seen in the film 'Pati Patni Aur Woh Do', in which Ayushmann Khurrana, Rakul Preet Singh and Vamika Gabbi were also seen in important roles along with her.

This 'Doraemon' film will be released in India; the exciting journey of friendship will soon be seen in theaters. Find out the release date.

The film 'Doraemon the Movie: New Nobita and the Castle of the Undersea Devil' will be released in India soon. The makers released its poster on social media on Thursday. Doraemon, the most popular character in the cartoon world, is soon to hit Indian theaters. The film 'Doraemon the Movie: New Nobita and the Castle of the Undersea Devil' is set to release nationwide this year. The campaign will begin with a pop culture festival. On Thursday, the makers shared this information with fans by releasing the film's poster. The film will be promoted at the pop culture festival, starting June 20th. In a post on social media, the makers announced that the film will be released in Hindi, Tamil, and Telugu. A campaign will be held for fans in Mumbai on June 20 and 21. Introducing friendship, adventure, and discovery, the film "Doraemon the Movie: New Nobita and the Castle of the Undersea Devil" will take Nobita and his friends on an exciting journey. Their story will showcase friendship, adventure, and discovery. The film will be based on the manga by Fujiko F. Fujio. When will it be released? The film "Doraemon the Movie: New Nobita and the Castle of the Undersea Devil" will be released in Indian theaters on October 2, 2026. Doraemon is an animated character depicted as a robotic cat without ears. Doraemon travels from the 22nd century to help a boy named Nobita in his life. This series has been entertaining children for the past twenty years.